

असाधारण

## EXTRAORDINARY

भाग II---खण्ड 3---जपखण्ड (ii)

PART II-Section 3-Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

## PUBLISHED BY AUTHORITY

सं 137

नई बिल्ली, बुथवार, मार्च 23, 1977 चेत्र 2, 1899

No. 137]

NEW DELHI, WEDNESDAY, MARCH 23, 1977/CHAITRA 2, 1899

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा आ सब्दे।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

### DEPARTMENT OF REVENUE AND BANKING

(APPELLATE TRIBUNAL FOR FORFEITED PROPERTY OF SMUGGLERS AND FOREIGN EXCHANGE MANIPULATORS)

#### CORRIGENDUM

New Delhi, the 23rd March 1977

- SO. 250(E).—In the English version of the Notification No. SO. 179(E) dated 18th February, 1977, published in the Gazette of India Extraordinary No. 84 dated 18th February, 1977, the following mistakes may be rectified:—
  - Page 564—Word 'a' may be added in the second line of item (vii) after the word 'of'.
  - 2 Page 567:—Commas (,) may be added after the words 'fit' and order in line 3 of Rule 14
  - 3 Page 568—Comma (,) may be added after the word 'hearing' in the first line of Rule 17.
  - 4 Page 568:—Word 'foreited' in the heading of Rule 21 may be read as 'forfeited'.

5. Page 569:—Word 'Fofeited' in the third line from top may be read as 'Forfeited'.

Page 569.—Word 'Fofeited' in the fifth line from top may be read as 'Forfeited'

7. Page 569—Letter 'V' to mean 'Versus' may be added between the words "Appellant" and "Respondent"

8. Page 569 -Words 'To address' may be substituted by "The address" under item 5

Page 569: Word 'Gouund' may read as 'Ground' under item 9.
Page 569. Word 'in' may be added after the word 'be' and before the word 'quadruplicate' in the second line of 1 under Notes.

[No. 2/F. No. 1/77/ATFP] JUSTICE J. N. WAZIR, Chairman. Appellate Tribunal for Forfeited Property.

## राजस्य भौर वंकिंग विभाग

# (तस्करों और विदेशी मुद्रा खलसायकों की सम्पत्ति के समपहरण के लिए खपील अधिकरण) श्चि-पन

नई दिल्ली, 23 मार्च, 1977

का० था० 251 (ग्र).--दिनाक 18 फरवरी, 1977 के भारत के ग्रसाधारण राजपन्न के भाग  $\Pi$ , खंड 3, उपखंड  $(\mathbf{ii})$  के पुष्ठ स० 570 से 578 पर प्रकाशित भारत सरकार, राजस्व ऋौर बैंकिंग विभाग, (तस्करो और विदेशी मुद्रा छलसाधको की सम्पत्ति के समपहरण के लिए अपील भ्राधिकरण) की दिनांक 18 फरवरी, 1977 की श्राधिसूचना सं० 1/फा० सं० 1/77/ए टी एफ पी मे निम्नलिखित शक्कियां कर ली जाए, प्रशीत :---

ष्टि सं ०	पंक्ति सं०	निम्नलिखित के स्थान पर	निम्नलिखित पढ़ा जाय
570	2	समप्हरण	समपहरण
	8	प्रथात्	<b>ग्र</b> थति
	12	परिभाषए	प <b>रिभाषा</b> ए
	20	प्रधिकृत	प्राधिकृत
	26	प्राधित	प्राधिकृत
	29	प्राधकृत	प्राधिकृत
	32	प्राधित	प्राधिकृत
571	8	<b>लिया</b>	नाया
	13	<b>श्रै</b> धिकाी	प्रधिकारो
	16	समपहत	<b>ग्रमप</b> हुत
	19	कार्यवाहियो	कार्यवाहिया
	26	कायालय	कार्यालय
	27	लि	लिए
	28	व्यथित	स्य <b>न्स</b>
572	1	<b>ोरा</b>	द्वारा
	4	सबधित	सम्बोधित
	4	भेजी जाएगी	भेजा जाएगा

पुष्ठ सं•	पंक्ति सं०	निम्नलिखित के स्थान पर	निम्नलिखित पढ़ा जाय
<u> </u>	7	वहा	जहां
	8	त <b>ोख</b>	तारीख
	9	राजिस्ट्रार	रजिस्द्रार
	10	प्रात	प्राप्त
	10	पृष्ठांकित	पुष्ठाकित
	17	किया	किये
	28	आना	जाता
572	28	रजिस्ट्रीक्त	र <b>जिस्ट्रीकृ</b> त
	31	करता	कर सकता
573	9	विल्ब	विलम्ब
	11	दो	बी
	33	ग्रपोल	ग्रपील
	33	पावती	पावती
574	8	निमित्व	निम <del>ित्त</del>
	16	समर्थ	समर्थन
	18	ग्रपाल	ग्रपील
	25	व्यक्तिकम	<b>व्य</b> तिकम
	29	व्यक्तिक्रम	<u>व्यतिक्र</u> म
	32	पक्षीय	एकपक्षीय
	32	ग्रपस्	श्रपास्त
575	5	प्रतिप्रेषण	प्रतिप्रेषण
		(रिमांड की शर्ते	(रिमांड) को शत
	8	विवद्यको	विवासकी
	14	विवाधक	विवाधक
	17	सखता	सकता
	19	त <b>दनु</b> परि	नदुपरि
	27	<b>म</b> मय	समक्ष
576	4	कर्यवाहिया	कार्यवाहिया
	21	बहुनत	<b>ब</b> हुमत
	30	मल सुधर	मूल सुधार
	34	सपित	संपत्ति
<b>57</b> 7	1	भनुसा	भनुसार
	5	सय	मत्य
	7	<b>वा</b> ल	वसूल
	8	लिख	लिखे

पुष्ठ स०	पंक्षितसः	निम्नलिखित के म्थान पर	निम्नलिखित पड़ा जाय
	19	संपति श्रपोल	संपत्ति श्रपील
	26	मुर्म्स	मुम्बई
578	6	दावी	वावा
	9	दीजीए	दीजिए
	21	धान दीजि	ध्यान दीजिए
	31	<b>छ</b> लसाथक	<b>छ</b> लसग्धक
		श्रौर	

पृष्ठ 577 पर पंक्ति स॰ 27 के ग्रंश "सक्षम प्राधिकारी, नई दिल्ली, मुम्बई," की पक्ति स॰ 28 के कालम । के सामने ग्रंश "कलकत्ता, मदास" से पहले पढ़ा जाय ।

[सं० 2 फा० स० 1/77/एटी एफ पी] न्यायमृति जे० एन० वजीर, श्रध्यक्ष समपङ्खन सम्पक्षि श्रपील श्रधिकरण ।